This booklet contains some of the common songs of Mettlotsava in हिंदि:

१) बिडेनॊ निन्नंघ्रि श्रीनिवास
२) दासन माडिको एन्न
३) गुरु मध्वरायरिगे नमॊ नमॊ
४) नेरेनंबिदे
५) दासॊहं
६) रंगा निन्न कोंडाडुव मंगळात्मर
७) अंजिकिन्यातकय्य

।।१. बिडेनॊ निन्नंघ्रि श्रीनिवास।।

बिडेनॊ निन्नंघ्रि श्रीनिवास ! एन्न दुडिसिकॊळ्ळॆलॊ श्रीनिवास !
नुडियॆ जीतल्लॊ श्रीनिवास नन्न नडे तप्पु कायॊ श्रीनिवास

बडियॊ बॆन्नल्लि श्रीनिवास एन्नॊडल होय्यदिरॊ श्रीनिवास
ना बडव काणेलॊ श्रीनिवास निन्नॊडल होक्केनॊ श्रीनिवास ।।१।।

पंजु पिडिवेनॊ श्रीनिवास निनॆंजल बळिदुंबे श्रीनिवास
संजे उदयके श्रीनिवास काळंजेय पिडिवॆ श्रीनिवास ।।२।।

सत्तिगे चामर श्रीनिवास नानॆत्ति कुणिवॆनॊ श्रीनिवास
निन्न रथद हादिगे श्रीनिवास ना होत्तु नलिवॆनॊ श्रीनिवास ।३।

हॆळिदंतालिहे श्रीनिवास निन्नाळिगाळगिहे श्रीनिवास
अवरूळिगव माळ्पे श्रीनिवास नन्न पालिसॊ बिडदॆ श्रीनिवास ।४।

निन्न नाम हॊळिगॆ श्रीनिवास कळ्ळ कुन्नि नानागिहे श्रीनिवास
कट्टि निन्नवरॊद्दरे श्रीनिवास ननगिनु लज्जॆतके श्रीनिवास ।५।

बीसि कॊल्ललवरे श्रीनिवास कासि चुच्चलवरे श्रीनिवास
घासिगंजेनय्य श्रीनिवास एंजलासेय भंट श्रीनिवास ।६।

हेसि नानादरे श्रीनिवास हरिदासरॊळु पोक्के श्रीनिवास
अवर भाषेय कॆळिहे श्रीनिवास आवासिय सैरिसो श्रीनिवास ।७।

तिंगळवनल्ल श्रीनिवास वत्स रंगळवनल्ल श्रीनिवास
राजंगळ सवडिपे श्रीनिवास भवंगळ धाटुवे श्रीनिवास ।८।

निन्नव निन्नव श्रीनिवास नानन्यव नरियेनो श्रीनिवास
मन्निसो तायि तंदे श्रीनिवास प्रसन्न वेंकटाद्रि श्रीनिवास ।९।

॥२. दासन माडिको एन्न॥

दासन माडिको एन्न
स्वामी सासिरनामद वेंकटरमणा ॥प॥

दुरुबुद्दिगळनेल्ल बिडिसो निन्न करुण कवचवेन्न हरणक्के तोडिसो
चरण सेवे एनगे कोडिसो अभय कर पुष्पवेन्नय शिरदल्लि मुडिसो ।१।

धृड भक्ति निन्नलि बेडि ना अडिगेरेगुवेनय्य अनुदिन पाडि
कडेगण्णलेकेन्न नोडि बिडुवे कोडु निन्न ध्यानव मन शुचि माडि ।२।

मोरे होक्कवर काय्व बिरुदु एन्न मरेयदे रक्षणे माडय्य पोरेदू
दुरितगळेल्लव कळेदु एन्न पुरंदर विठ्ठलने एन्ननु पोरेदु ।३।

।।३. गुरु मध्वरायरिगे नमो नमो।।

गुरु मध्वरायरिगे नमो नमो
गुरु मध्व संततिगे नमो नमो ।प।

श्रीपादराजरिगे गुरुव्यासरायरिगे गुरुवादिराजरिगे नमो नमो
श्री गुरुवादिराजरिगे नमो नमो ।१।

राघवेंद्ररायरिगे वैकुंठदासरिगे पुरंदरदासरिगे नमो नमो
श्री पुरंदरदासरिगे नमो नमो ।२।

गुरुविजयदासरिगे बागण्ण दासरिगे रंग ओलिद दासरिगे नमो नमो
श्री रंग ओलिद दासरिगे नमो नमो ।३।

परम वैराग्यशालि तिम्मण्ण दासरिगे हुंडेकार दासरिगे नमो नमो
श्री हुंडेकार दासरिगे नमो नमो ।४।

गुरु श्रीश विठ्ठलन परम भक्तर चरण सरसिजयुगगळिगे नमो नमो
श्री सरसिजयुगगळिगे नमो नमो ।५।

।।४. नेरेनंबिदे।।

नेरेनंबिदे मद हृदय मंटपदोळु परिशोभिसुतिरो पांडुरंग
शरणजनर संसार महाभय हरण करुण श्री पांडुरंग ।प।

नेरेदिह बहुजनरोळिद्दरु मन स्थिरविडो निन्नलि पांडुरंग
परिपरि केलसवु निन्न महापूजे निरुत एनगे कोदो पांडुरंग ।१।

परदेवने निन्न लीला स्मृतियनु निरुत एनगे कोदो पांडुरंग
परापेक्षेय बिदिसि निरंतर परगति पथ तोरो पांडुरंग ।२।

सुखवागलि बहु दु:खवागलि सख नीनागिरो पांडुरंग
निखिळांतर्गत व्यासविठ्ठल तव मुखपंकज तोरो पांडुरंग ।३।

जै जै विठ्ठल पांडुरंग जय हरि विठ्ठल पांडुरंग

तंदे तायियु पांडुरंग बंधुबळगवु पांडुरंग
जै जै विठ्ठल पांडुरंग जय हरि विठ्ठल पांडुरंग

भक्ता पोषक पांडुरंग मुक्ति प्रदायक पांडुरंग
जै जै विठ्ठल पांडुरंग जय हरि विठ्ठल पांडुरंग

पुंडळीक वरदा पांडुरंग पंडरापुर वासि पांडुरंग
जै जै विठ्ठल पांडुरंग जय हरि विठ्ठल पांडुरंग

अनाथ रक्षक पांडुरंग आपत भांदव पांडुरंग
जै जै विठ्ठल पांडुरंग जय हरि विठ्ठल पांडुरंग

जै जै विठ्ठल पांडुरंग जय हरि विठ्ठल पांडुरंग

।।५. दासोहं।।

दासोहं दासोहं तव दासोहं दासोहं
वासुदेव विगताघसंघतव ।१।

जीवांतर्गत जीवनियामक जीवविलक्षण जीवनदा
जीवाधारक जीवरूपरा जीव भवजनक जीवेश्वर तव ।१।

कालाह्वय मह कालनियामक कालातीत त्रिकालज्ञा
कालप्रवर्तक कालनिवर्तक कालोत्पादक कालमूर्ति तव ।२।

कर्म कर्म कृत कर्म कृतागम कर्म फलप्रद कर्मजिता
कर्मभंद मह कर्म विमोचक कर्म निग्रह विकर्म नाश तव ।३।

धर्मयूप मह धर्मविवर्धन धर्मविदुत्तम धर्मनिधे
धर्मसूक्ष्म मह धर्मसंरक्षक धर्मसाक्षि यमधर्म मित्र तव ।४।

मंत्र यंत्र महमंत्र बीज महमंत्र राजगुरु मंत्रधृता
मंत्रदेव जगन्नाथाविठ्ठल तव ।५।

।।६. रंगा निन्न कोंडाडुव मंगळात्मर।।

रंगा निन्न कोंडाडुव मंगळात्मर संग सुखव इत्तु कायो करुणा सागर ।प।

अरेयारो नीनल्लदे मत्तन्य दैवरा मरेयारो नी माडिद अनिमितोपकारा
तोरेयारो निन्नंघ्रि सेवे प्रतिवासर अरेयारो परतत्त्ववल्लदे इतर विचार ।१।

मूखबदिररेंतिप्पारो नोळ्फजनके काकुयुकुतीगळनवरु ताररो मनके
स्वीकरिसरनर्पित ओंदू कालक्के आ कैवल्य भोग सुख अवरिगे बेके? ।२।

कंडकंडल्लि विश्वरूप कांबरो उंडु उणिसिद्देल्ला निन्न यङ्नवेंबरो
बंडुणियंददि नामामृतव सविवारो हेंडिरु मक्कळु निन्न तोंडरेंबरो ।३।

बिडरो तम्म स्वधर्मगळेनू बंदरू बिडरु दैन्य ओब्बरिगू लोकवंद्यरु
पिडियरो निन्न द्वेषिगळिंदेनु बंदरु कोडुवरो बेडिदिष्टार्थ नित्यानंदरु ।४।

जयाजय लाभालभ मानापमान भयाभय सुखदु:ख लोष्टकांचन
प्रियाप्रिय निंदानिंद स्तुतिगळनुदिना श्री अरस चिंतिसुवरो निन्न अधीन ।५।

ईशितव्यरेंतिप्पारो नोळ्पाजनके देशकालोचित धर्मकर्मासक्तरु
आश क्रोध लोभ मोह पाश मुक्तरु ई सुजनरे शाप अनुग्रह शक्तरो ।६।

नगुवरो रोधिसुवरो नाट्यवाडुवरो बगेयरो बडतन भाग्य भागवतरु
तेगेयरो निन्नल्लि मनव ओम्मेयादरु जगन्नाथ विठ्ठल......निन्नवरेनु धन्यरो ।७।

।।७. अंजिकिन्यातकय्य ?।।

अंजिकिन्यातकय्य सज्जनरिगे भयवु इन्यातकय्य
संजीवरायर स्मरणे माडिदमेले ।प।

कनसिलि मनसिलि कळवळवादरे हनुमन नेनेदरे हारिहोगदे पाप ।१।

रोमरोमके कोटि लिंग उदुरिसिद भीमन नेनेदरे बित्तु होगदे पाप ।२।

पुरंदर विठ्ठलन पादपूजेय माळ्प गुरुमध्वरायर स्मरणे माडिदमेले ।३।